

B. A. विषय - राज्यशास्त्र
 विषय: लोक प्रशासन
 द्वितीय पत्र - स्थानीय प्रशासन
 (महत्वपूर्ण निबन्धात्मक प्रश्न)

- 0.1. स्थानीय स्वशासन के भय, प्रकृति, महत्व की विवेचना कीजिए।
- 0.2. भारत में स्थानीय स्वशासन के विकास की विवेचना कीजिए।
- 0.3. नगर निगम की विशेषता, शक्तियाँ, कार्य की व्याख्या कीजिए।
- 0.4. आपके राज्य में नगरपालिका के स्तंभ, शक्तियाँ, कार्य की विवेचना कीजिए।
- 0.5. राजस्थान में पंचायती राज की संरचना, उपलब्धी व समस्याएँ क्या हैं?
- 0.6. आपके राज्य में पंचायत समिति के संगठन एवं कार्य तथा अधिकारों पर विचार कीजिए।
- 0.7. राष्ट्रीय संस्थाओं में कार्मिक प्रशासन का भूमिका, परिष्कार, व पहली नज़र के संदर्भ में विवरण दीजिए।
- 0.8. नगरपालिका कार्मिक प्रशासन की समस्याओं पर प्रकाश डालिए। इन्हें कैसे दूर किया जा सकता है।
- 0.9. राज्य में पंचायती राज संस्थाओं के भाग के प्रमुख स्तंभों को स्पष्ट कीजिए। इनकी विभिन्न शक्तियों को कैसे भण्डार बनाया जा सकता है?
- 0.10. राज्य में राष्ट्रीय स्थानीय संस्थाओं पर सरकार कैसे नियंत्रण रखती है?
- 0.11. उन विभिन्न साधनों का परिष्कार कीजिए जिनके माध्यम से राज्य-सरकार पंचायत राज संस्थाओं पर नियंत्रण रखती है।
- 0.12. राज्य की आयोजना पर एक लेख लिखिए।
- 0.13. निम्न लिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए:-
 - (1) ग्राम सभा संगठन, शक्ति
 - (2) लार्ड रिफन (1882) की सिफारिशें
 - (3) बलवन्तराम मेहरा (नसिरी)
 - (4) स्थानीय कार्मिकों के परिष्कार में आये गयी समस्याएँ।

मुकेश कुमार ठासीवाल
 व्याख्याता: लोक प्रशासन
 Mob. No. - 9530382531